ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय- हिन्दी

दिनांक—05/07//2020 व्याकरण-संज्ञा

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो!

आज आषाढ़ मास की पूर्णिमा है और आज के दिन को हम लोग गुरु पूर्णिमा के नाम से अभिहित करते हुए, इसे गुरु के लिए ही समर्पित मानते हैं। इसलिये आज के दिन को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन का महत्व हमारे शास्त्रों में भी विस्तृत रूप से वर्णित है । जो अंधकार से

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है।

हमारे जीवन में समय-समय पर हमें विभिन्न प्रकार के गुरुओं से मिलना होता है ।जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी गुरु मां होती है, कुछ दिनों पश्चात हमारे गुरु पिता हो जाते हैं, कुछ दिनों बाद हमारे गुरु वह होते हैं, जो हमें शिक्षा प्रदान करते हैं फिर हमारे गुरु वे होते हैं, जो हमें आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति कराते हैं। अर्थात हमारे गुरु का हमारे जीवन में विभिन्न परिप्रेक्ष्य में विभिन्न प्रकार के महत्व हैं ।इसलिए गुरु का हमारे जीवन में कोई पर्याय नहीं हो सकता है।

आप सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ!

अब आते हैं हम अपने अध्ययन सामग्री पर।

अब तक की कक्षा में आपने व्याकरण में संज्ञा की परिभाषा, संज्ञा के भेद,उपभेद, संज्ञा के भेदों के विशिष्ट प्रयोग ;जैसे -व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में ,जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप

में एवं भाववाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग जाना एवं पढ़ा। आज आपको कुछ कार्य दिया जा रहा है, आप उसे पूर्ण करें।

1. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाएँ –

लड़का ,मानव, दानव, गुरु ,देव, माता, स्त्री, नारी, साधु, पुरुष, बंधु, दास ,आचार्य, प्रभु, राष्ट्र, प्रांत, समूह, शिशु ,युवक ,स्वामी, व्यक्ति, विद्वान।

2.विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएँ --

चतुर, नालायक, संपन्न, विपन्न ,मुक्त ,मूर्ख, शिष्ट, सभ्य, उदार ,मधुर, ईमानदार, निर्बल, व्यस्त, कंजूस, गंदा, खुशहाल, दक्ष, हिंसक, चंचल, स्वस्थ, दुष्ट, खट्टा, मीठा, महँगा, प्यास, हैरान, बर्बाद, चिंतित।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”